एक्सआईएसएस में इसी सत्र से शुरू होंगे मैनेजमेंट के 2 नए कोर्स

तीन साल के होगा फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट

सिटी रिपोर्टर | रांची

एक्सआईएसएस रांची में इस सत्र से दो नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) और पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट मैनेजमेंट जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रुरल डेवल्पमेंट। दोनों कोर्स अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से अप्रूव्ड हैं। एफपीएम पूर्णकालिक गैर आवासीय 3 साल का प्रबंधन अनुसंधान कोर्स है। एडमिशन के लिए अभ्यर्थी 25 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क 2500 रुपए है। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि उत्कृष्टता केवल शिक्षा से ही हासिल की जा सकती है, इसे देखते हुए नए पाठयक्रम शुरू किए गए हैं। भविष्य में हम कुछ अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू करेंगे, जो उद्योग और बाजार के आज की जरूरतों के अनुरूप होंगे।

जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन में कई विषय शामिल हैं। इसमें 600 घंटे से अधिक थ्योरी, लैब प्रैक्टिकल व तीन महीने के प्रोजेक्ट कार्य के साथ एक साल (दो सेमेस्टर) पाठ्यक्रम डिजाइन किया गया। इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, इंजीनियरिंग, एमफिल या पीएचडी करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। साथ ही पेशेवर भी आवेदन कर सकेंगे।

Press : Dainik Bhaskar

एफपीएम और जियो-स्पेशल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन आरएम होंगे शुरू

एक्सआइएसएस में इसी माह शुरू होंगे दो नये कोर्स

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

एक्सआइएसएस रांची में जुलाई माह से दो नये कोर्स शुरू होंगे. इसमें फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) और पीजी सर्टिफिकेट मैनेजमेंट जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल मैनेजमेंट कोर्स शामिल हैं. इन दोनों कोर्स के लिए एआइसीटीइ से मान्यता मिल चुकी है. एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे ने बताया कि संस्था अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम का विस्तार करने में जुटी है. दोनों नये कोर्स समय की मांग, औद्योगिक विकास और इन क्षेत्रों में भविष्य की योजना को देखते हुए संचालित किये जायेंगे. एफपीएम कोर्स का उद्देश्य विभिन्न प्रबंधन संकाय में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देना है. वहीं, पीजीसीएम जियो-स्पेशल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन आरएम कोर्स का लक्ष्य युवा अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट कोर्स के बाद सीधे रोजगार से जोड़ना है. अभ्यर्थी कोर्स की जानकारी वेबसाइट से हासिल कर सकेंगे.

शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देंगे कोर्स : डॉक्टरल फेलोशिप प्रोग्राम इन मैनेजमेंट : संस्था ने ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. 25 जुलाई तक आवेदन वेबसाइट https:/7xiss.ac.in/fpm-fellow-program-in-management के जरिये स्वीकार किया जायेगा. प्रोग्राम के लिए 10 सीटें तय हैं. इससे जुड़ने वाले अभ्यर्थी एचआर मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, मार्केटिंग मैनेजमेंट और फाइनांस मार्केटिंग संकाय से जुड़कर शोध कर सकेंगे. प्रोग्राम के तहत इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी में मास्टर डिग्री या समकक्ष डिग्री हासिल कर चुके अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे. जेनरल श्रेणी के लिए पात्रता मापदंड 60% और एससी-एसटी अभ्यर्थी के लिए 55% अंक तय किया गया है. वैसे अभ्यर्थी, जिन्होंने कैट, आइआइएम, गेट, जीआरइ, जी-मैट, यूजीसी नेट या जेआरएफ और सीएसआइआर जैसी प्रवेश परीक्षा बीते दो वर्षों यानी, 01 दिसंबर 2020 या इसके बाद में शामिल होकर पास की है, वह सीधा नामांकन करा सकेंगे. किसी भी तरह की प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एक्सआइएसएस कॉमन टेस्ट का आयोजन होगा. प्रवेश परीक्षा के आवेदन और तिथि की घोषणा जल्द होगी. ऑनलाइन आवेदन के क्रम में अभ्यर्थी को 2500 रुपये चुकाना होगा. **एफपीएम :** यह तीन वर्ष के लिए नन-रेसिडेंसियल फुल टाइम प्रोग्राम होगा. अभ्यर्थियों से नामांकन शुल्क 54 हजार रुपये लिये जायेंगे. एक वर्ष की ट्यूशन फीस एक लाख रुपये तय की गयी है. इसे अभ्यर्थी दो किस्त में चुका सकेंगे.

पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन : जीआइएस, रिमोट सेंसिंग व जीपीएस, डीजीपीएस और इटीएस जैसे क्षेत्र न्यू एज कोर्स में शामिल हैं. कोर्स से जुड़ने वाले अभ्यर्थी इस क्षेत्र के व्यावहारिक प्रशिक्षण को हासिल कर सकेंगे. एक वर्ष का सर्टिफिकेट कोर्स युवाओं के स्किल को बढ़ाने का काम करेगा. जुड़नेवाले अभ्यर्थियों को आर्क-जीआइएस, इआरडीएएस इमेजिंग, जियोमीडिया, इएनवीआइ, वन-जीआइएस और क्यू-जीआइएस, गूगल अर्थ इंजन जैसे ओपेन-सोर्स सॉफ्टवेयर समेत अन्य तकनीकी सॉफ्टवेयर की जानकारी दी जायेगी. इससे सरकारी और निजी संस्थानों में बेहतर अवसर हासिल कर सकेंगे. पाठ्यक्रम का संचालन दो सेमेस्टर पैटर्न पर होगा. इसमें 600 घंटे से अधिक थ्योरी क्लास, लैब प्रैक्टिकल और तीन महीने का प्रोजेक्ट वर्क कराया जायेगा. अभ्यर्थियों को संस्था के प्राध्यापक व आइसीटी इंडस्ट्री एक्सपर्ट प्रशिक्षित करेंगे. 60 सीटों को दो बैच में संचालित किया जायेगा.

जल्द शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

इन कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी. इसमें यूजी, पीजी, एमफिल या पीएचडी में शामिल अभ्यर्थी के अलावा इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस या आइटी से जुड़े प्रोफेशनल्स भी आवेदन कर सकेंगे. इसके अलावा राज्य सरकार के जल संसाधन प्रबंधन, वानिकी व भूमि संसाधन प्रबंधन और खनन व आपदा प्रबंधन से जुड़े वर्किंग प्रोफेशनल भी आवेदन कर सकेंगे. गैर-कामकाजी अभ्यर्थी के लिए कोर्स फीस 65 हजार रुपये और वर्किंग प्रोफेशनल के लिए 80 हजार रुपये तय की गयी है. फीस को दो किस्त में चुकाने की सुविधा मिलेगी.

Press : Prabhat Khabar

एफपीएम और जियो स्पेशल टेक्नोलॉजी की होगी पढ़ाई

एक्सआईएसएस

10 सीटों पर फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट में नामांकन होगा

60 सीटों पर प्रवेश जियो स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन में मिलेगा

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान, रांची इस माह से अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से अनुमोदित नए फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) शुरू कर रहा है। यह पूर्णकालिक गैर-आवासीय कार्यक्रम 3 साल के डॉक्टरेट स्तर का प्रबंधन अनुसंधान कार्यक्रम है। साथ ही, रूरल डेवलपमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट मैनेजमेंट (पीजीसीएम) जियो-स्पेशल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन कोर्स भी शुरू हो रहा है।

एफपीएम की परिकल्पना अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा ज्ञान आधार को बेहतर बनाने और इसे व्यापक लोगों तक पहुंचाने के लिए की गई है। यह कोर्स मानव संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन, विपणन प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन के अंतर्गत शुरू किया गया है। उम्मीदवारों के लिए कोई आयु प्रतिबंध नहीं है और इसमें सीटों की संख्या 10 है। आवेदक ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। अधिक जानकारी xiss.ac.in/fpm-fellow-program-in-management से ले सकते हैं।

वहीं, रूरल डेवलपमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट मैनेजमेंट जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन कोर्स के लिए विद्यार्थियों के साथ-साथ निजी पेशेवर भी आवेदन कर सकते हैं। इसमें 60 सीटें उपलब्ध हैं। विशेष जानकारी www.xiss.ac.in/GI से प्राप्त कर सकते हैं।

Press : Hindustan

एक्सआइएसएस में नया कोर्स जल्द

एआइसीटीई द्वारा अनुमोदित एफपीएम कोर्स शुरू करने की तैयारियां तेज

नए अनुसंधान व प्रकाशनों के प्रति झुकाव वाले स्कॉलर्स को मिलेगा मौका

ranchi@inext.co.in

RANCHI (5 July) : जेवियर समाज सेवा संस्थान रांची में इसी माह से अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) द्वारा अनुमोदित नए फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) कोर्स शुरू होगा. यह पूर्णकालिक गैर-आवासीय तीन वर्षीय डाक्टरेट स्तर का प्रबंधन अनुसंधान कार्यक्रम है. एफपीएम की परिकल्पना अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा ज्ञान आधार को बेहतर बनाने और इसे व्यापक लोगों तक पहुंचाने के लिए की गई है. यह अनुसंधान क्षेत्र में ज्ञान के भंडार और उसके प्रसार को बढ़ाएगा. इसका उद्देश्य असाधारण शैक्षणिक पृष्ठभूमि, मजबूत प्रेरणा, अनुशासन और नए अनुसंधान और प्रकाशनों के प्रति मजबूत झुकाव वाले स्कालर्स को प्रवेश देना है. यह जानकारी एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मारियानुस कुजुर एसजे ने दी. कहा कि यह संस्थान राज्य में बेहतर शिक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रही है. उत्कृष्टता केवल शिक्षा के माध्यम से ही हासिल की जा सकती है और यह नया एफपीएम कार्यक्रम उसी दिशा में हमारा प्रयास है. भविष्य में हम कुछ अन्य कोर्स भी शुरू करेंगे जो उद्योग और बाजार की जरूरतों के अनुरूप होंगे.

ऐसे करें अप्लाई

एक्सआइएसएस मे मानव संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन, विपणन प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन मे एफपीएम की पढ़ाई होती है. इन कोर्सेस मे नामांकन के लिए आवेदक आनलाइन फार्म जमा कर सकते हैं और पैसो का भुगतान आनलाइन कर सकते हैं. एक्सआइएसएस प्रवेश पोर्टल पर 2500 रुपये, सभी दस्तावेजो के साथ पूरा आवेदन पत्र 25 जुलाई या उससे पहले आनलाइन अपलोड किया जा सकता है. वही एफपीएम मे प्रवेश के लिए आवेदन करने की मूल पात्रता या तो प्रथम श्रेणी मे इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी मे मास्टर डिग्री या समकक्ष है. कम से कम 60 प्रतिशत अंको (एससी/एसटी के लिए 55 प्रतिशत) के साथ किसी भी विषय मे मास्टर डिग्री या समकक्ष या कम से कम 60 प्रतिशत अंको (एससी/एसटी के लिए 55 प्रतिशत) के साथ किसी भी विषय मे पांच और चार साल के इंटीग्रेटेड मास्टर डिग्री प्रोग्राम वाले आवेदक भी आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा कम से कम 60 प्रतिशत अंको के साथ सीए, आइसीडब्ल्यूए या सीएस जैसी कोई भी व्यावसायिक योग्यताधारी भी एफपीएम के लिए आवेदन कर सकते हैं. संबंधित विषयो मे अपनी अंतिम परीक्षा मे बैठने वाले भी आवेदन कर सकते हैं.

क्या हैं दाखिले की शर्तें

चयन साक्षात्कार के लिए शार्टलिस्ट आवेदको के पास प्रतिस्पर्धी परीक्षाओ मे से एक का वैध स्कोर होना चाहिए, जिसमे कैट शामिल है जो आइआइएम, गेट, जीआरई, जी-मैट, यूजीसी-नेट या जेआरएफ, सीएसआइआर द्वारा आयोजित किया जाता है. इन परीक्षाओ के लिए पिछले दो वर्षो तक के स्कोर (यानी 01 दिसंबर 2020 को या उसके बाद ली गई परीक्षा) को ही वैध माना जाएगा या उन्हें एक्सआइएसएस की प्रवेश परीक्षा (एक्सईटी) देनी होगी, जिसकी तारीखो की घोषणा जल्द की जाएगी.

तकनीक के क्षेत्र में दूर होगी स्किल्ड मैनपावर की कमी

पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलाजी एप्लीकेशन कोर्स शुरू करेगा एक्सआइएसएस

RANCHI : एक्सआइएसएस रूरल डेवलपमेंट में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलाजी एप्लीकेशन कोर्स शुरू करेगा. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) द्वारा अनुमोदित रूरल डेवलपमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट मैनेजमेंट (पीजीसीएम) जियो-स्पेशियल टेक्नोलाजी एप्लीकेशन कोर्स शुरू करेगा. जियो स्पेशल टेक्नोलाजी में कई विषय शामिल हैं. जिसमें जीआइएस, रिमोट सेंसिंग, जियोडेसी, जीपीएस और कार्टोग्राफी शामिल है. इन विषयों का मुख्य रूप से प्राकृतिक और मानव निर्मित वातावरण से संबंधित वास्तविक विश्व प्रबंधन समस्याओं को हल करने में उपयोग किया जा सकता है. पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैचारिक ज्ञान के साथ-साथ जीआइएस, रिमोट सेंसिंग और जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस सहित संबंधित क्षेत्रों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है. पाठ्यक्रम को जियो-स्पेशल टेक्नोलाजी के क्षेत्र में उभरते रुझानों को ध्यान में रखते हुए और स्किल्ड मैनपावर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है जो सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों की जरूरतों को पूरा करेगा. यह एआइसीटीई अनुमोदित पाठ्यक्रम रचनात्मक रूप से संपूर्ण शिक्षण और कौशल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है. आर्क-जीआइएस, ईआरडीएएस इमेजिन, जियोमीडिया, ईएनवीआई, 1-जीआइएस और क्यू-जीआइएस, गूगल अर्थ इंजन जैसे ओपन-सोर्स साफ्टवेयर सहित सभी लोकप्रिय, शक्तिशाली और उपयोगकर्ता के अनुकूल साफ्टवेयर और इंटरनेट सुविधा इस कोर्स में उपलब्ध है. 600 घंटे से अधिक थ्योरी, लैब प्रैक्टिकल और तीन महीने के प्रोजेक्ट कार्य के साथ एक साल लंबा (दो सेमेस्टर) पाठ्यक्रम डिजाइन किया गया. यह कोर्स व्यापक विषय और व्यावहारिक ज्ञान के साथ शिक्षाविदों और आईसीटी उद्योग के विशेषज्ञ फैकल्टी के व्याख्यान को भी सुनिश्चित करेगा.

आवेदन की शर्तें

कोर्स के लिए 60 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमे दो बैचो मे कक्षाएं चलेंगी. कम से कम 45 प्रतिशत अंको के साथ किसी भी विषय मे यूजी पीजी या इंजीनियरिंग या समकक्ष कंप्यूटर विज्ञान, आइटी या संबंधित क्षेत्रो मे स्नातक या स्नातकोत्तर, एमफिल या पीएचडी करने वाले छात्र भी शाम के बैच के लिए आवेदन कर सकते हैं. राज्य सरकार के कर्मचारी निजी क्षेत्रो मे काम करने वाले अन्य पेशेवरो के साथ भी आवेदन कर सकते हैं. स्नातक के अंतिम वर्ष के उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं.

Press : Inext Jagran

XISS to launch new Fellow Programme in Management

PNS : RANCHI

Premier Business Management institute Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi is all set to launch two new courses -- new Fellow Programme in Management (FPM) and PGCM Geo-Spatial Technology Application in Rural Development. The FPM was this month approved by All India Council for Technical Education (AICTE). This Full-Time Non-Residential program will be a 3-year doctoral level management research programme.

The FPM programme is envisioned to improve the existing knowledge base in the field of research and distribute it to a wider audience. It will enhance the body of knowledge in the research domain and its dissemination. It is aimed at admitting scholars with exceptional academic background, strong motivation, discipline and having a strong inclination towards good quality research and publications. Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS expressed his happiness over the new program and said, "It gives me immense pleasure to announce that XISS is fulfilling its commitment for better education in the State. At XISS, we believe that excellence can only be achieved through education and this new FPM, a full-time non-residential program, is our effort in the same direction. In future, we will launch some other courses as well which will be well-aligned with today's needs of the industry and market." XISS, Ranchi will offer FPM in Human Resource Management, Rural Management, Marketing Management, and Financial Management. There is no age restriction for the candidates and the total number of seats is 10. Applicants can fill the online form and make an online payment of Rs. 2500/- (including taxes) at the XISS admission portal. Complete application form together with all documents to be uploaded online on or before Monday, July 25, 2023. For more details on the document, one can visit the link: https://xiss.ac.in/fpm-fellow-program-in-management

The second course - Post Graduate Certificate Management (PGCM) Geo-Spatial Technology Application in Rural Development will be launched in the month of July approved by the AICTE. Geospatial Technology encompasses multiple disciplines viz, GIS, remote sensing, geodesy, GPS, and cartography. It has tremendous utility and applications and are mainly oriented to solve real world management problems pertaining to natural as well as man-made environments. The course aims to provide conceptual knowledge as well as hands-on training on GIS, remote sensing and related fields including GPS, DGPS and ETS. The course has been developed keeping in view the emerging trends in the field of Geospatial Technology and to meet the increasing needs of skilled manpower that will cater to the needs of both the Govt as well as private sector.

This AICTE approved course is creatively designed for thorough learning and skill imparting. Well-equipped air-conditioned computer lab with internet facility, each trainee works exclusively on his/her computer. All popular, powerful, and user-friendly software including Arc-GIS, ERDAS imagine, Geomedia, ENVI, 1-GIS and open-source softwares like Q-GIS, Google Earth Engine are available. One Year long (Two Semesters) course with over 600 hours theory, Lab Practical.

Press : Pioneer